जनलक्ष्मी फाइनेंशियल सर्विसेज के मदर्स डे प्रोग्राम में

अहमदाबाद, भारत में 83.1 लाख बच्चों को अपने परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए हर साल स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है। जनलक्ष्मी फाइनेंशियल सर्विसेज ने मदर्स डे के उपलक्ष्य में निम्न आय वर्ग की महिलाओं में उनके बच्चे की शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाया। देश के 434 स्थानों की महिलाओं ने अपने बच्चों की शिक्षा का संकल्प लिया। जेएफएस का यह दृढ़ विश्वास है कि स्कूलों की औपचारिक शिक्षा की बदौलत ही व्यक्ति विशेष अपने सपनों और आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है।

देश के 17 शहरों में मातृत्व एवं उद्यमषीलता के भाव के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। हर जगह 'ड्रीमवॉल' (सपनों की दीवार) बनाई गई ताकि माताएं अपने बच्चों के लिए देखे गए ख्वाबों को उजागर कर सकें।

मदर्स डे के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत जेएफएस के प्रतिनिधियों ने मां को उनके बच्चे के लिए शिक्षा के महत्व को बताया, एक परिचर्चा आयोजित की गई कि कैसे हर घर में मां ही घर की अध्यक्ष होती है, कई कार्यक्रम आयोजित किए गए और बच्चों के साथ अलग से बैठकर समझाया गया कि क्यों उनकी मां ही इस दुनिया में सबसे अच्छी हैं। श्री सिद्धार्थ एस, क्षेत्रीय प्रमुख ने अपने भाषण में बताया कि कैसे शिक्षा की बदौलत बच्चे जमीन से उठकर आसमान की बुलंदियों को छू सकते हैं और कैसे वो शिक्षा की बदौलत अपना कॅरियर बेहतर बना सकते हैं। हमारा ध्येय यह है कि हम मां को उनके बच्चे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें बताएं कि कैसे शिक्षा उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना सकती है। (19-10)

इन्डियन ऑइल के चेयरमेन ने किया कोको मौरैया में एक्स्ट्रा पावर का शुभारंभ

अहमदाबाद: इन्डियन ऑइल कार्पोरेशन लि. के चेयरमेन बी. अशोक ने मोरैया में कंपनी की मालिकी एवं संचालन के तहत (कोको) के रिटेल आउटलेट एक्स्ट्रा पावर सराई का उदघाटन किया ।इस मौके पर इन्डियन ऑइल के स्वतंत्र डायरेक्टर परिन्दु भगत एवं इन्डियल ऑइल के गुजरात राज्य ऑफिस के एक्जीक्युटिव डायरेक्टर संजीव कुमार जैन भी उपस्थित थे। एक्स्ट्रा पावर सराई में एक्स्ट्रा पावर फ्लिपकार्ड के स्वरूप में लोयल्टी प्रोग्राम के सदस्य पदधारी वाहन चालक को विविध सुविधाएं उपलब्ध करायेंगे।इन सुविधाओं में पार्किंग सोस, आराम के लिए डोर्मिटरी सुविधा, लोकर्स, खेलकूद के साधन , टीवी जैसे मनोरंजन की सुविदा , बाथिंग सुविधा, कपड़े धोने का वोशिंग मशीन इत्यादि का समावेश होता हैं। जो नि:शुल्क उपलब्ध कराया जावेगा। तदउपरांत ढाबा एवं सलून एवं क्लोक सीसीटीवी सुविधा का भी समावेश होता है। इन्डियन ऑइल का गुजरात में ऐसा प्रथम आउटलेट है और राज्य में हाई-वे पर आठ आउटलेट खोलने का कंपनी का आयोजन है।

इन्डियन आइल का देश में ऐसा 43वां आउटलेट है और इस साल के अंत तक 100 सराई का आयोजन हैं। अगले वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा 200 तक पहुंचाने की धारणा है।

इस अवसर पर इन्डियन ऑयल के चेयरमेन बी. अशोक ने बताया कि पेट्रोलियम सेक्टर का संबंध हैं तब तक गुजरात हमारे लिए महत्व का राज्य है। कंपनी द्वारा गुजरात रिफाइनरी की 13.7 एमटी की क्षमत्ता बढाकर के 18 एमटी की जावेगी। तद्उपरांत अन्य निवेश में बीएस IV फ्युअल से बीएस VI फ्युअल के लिए निवेश भी किया जावेगा।(22-1)

गो एयर का मानसून अभियान, हवाई सफ़र 599 रूपए से

अहमदाबाद ,भारत की सबसे तेज़ी से नई उंचाईयों को छू रही एयरलाईन गोएयर ने आज अपने मानसून अभियान की घोषणा की, जिसमें हवाई सफ़र 599 रूपए से शुरू होता है। यात्री 23 सैक्टरों में 599 रूपए के कम किराए में हवाई यात्रा का आनंद 1 जुलाई से 30 सितंबर 2017के दौरान ले सकते हैं। इसके लिए टिकट की बुकिंग 12 से 15 मई 2017 के दौरान करनी होगी।

आज से शुरू हुई तीन दिवसीय सेल 15 मई की आधी रात तक उपलब्ध होगी। यह सेल में 1 जुलाई से 30 सितंबर 2017 तक की सफ़र करने की अवधि के लिए है और यह गोएयर नेटवर्क की सभी सीधी और वाया उड़ानों में मान्य होगी।

गोएयर ने यह सबसे कम किराए वाला ऑफर इस लिए दिया है ताकि यात्री इन आर्कषक किराए का लाभ लेकर अपनी यात्राओं की योजना एडवांस में बना सकें। गोएयर लगातार अपने ग्राहकों को आसान और किफ़ायती उड़ान का अनुभव देने के साथ ही ऐसे आर्कषक मौके देता रहता है।

यह ऑफर केवल गोऐयर नेटवर्क (गोएयर वेबसाईट, गोएयर टिकट काउंटर, गोएयर कॉल सेंटर और ट्रेवल ऐजंट) के ज़रिए ही उपलब्ध है। 1 जुलाई से 30 सितंबर 2017 के दौरान हवाई यात्रा के लिए टिकट की बुकिंग 12 से 15 मई 2017 के दौरान करनी होगी। यह ऑफर बच्चों की बुकिंग पर लागू नहीं होगी। इस ऑफर के साथ ग्रुप-डिस्काउंट भी मान्य नहीं होगा और कोई अन्य ऑफर, कोई और प्रोमोशनल ऑफर इसके साथ नहीं जोड़ा जा सकता, ना ही किसी भी रूप में नकद फ़ायदा लिया जा सकता है। सभी किराए स्थापित कैंसलेशन नीति के अनुसार होंगे और रीबुकिंग नीति लागू होगी। गोऐयर अपने विवेक से बिना कोई कारण बताए या नोटिस दिए इस ऑफर के किसी भी पहलू के किसी हिस्से को या पूरे ऑफर रद्द कर सकता या बदल सकता है। इस ऑफर में ब्लैकआऊट डेट्स भी लागू होंगी, बुकिंग करते समय वह ज़रूर देख लें। अन्य नियम व शर्तें और ज़िम्मेदारी की समीएं हमारी वेबसाई www.GoAir.in पर उपलब्ध सिटीजन चार्टर के अनुसार होंगी, कृपया बुकिंग करते वक्त इन्हें भी देख लें। (3-1)

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्पलेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, बी-4, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया। फोन-26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

जिहादी संकट का इलाज

पिछले कुछ दिनों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों और खासकर मुस्लिम देशों में हुए आतंकी हमलों ने विश्व बिरादरी को जिहादी आतंकवाद के वैचारिक स्वरूप को समझने का एक मौका भी दिया है। रमजान के महीने में इराक, बंगलादेश और सऊदी अरब में हुए आतंकी हमलों ने उदारवादी तबके को एक बार फिर यह कहने का अवसर दिया कि आतंकवाद का किसी धर्म से कोई लेना देना नहीं है। इन लोगों का तर्क है कि अगर ऐसा न होता तो भला जेहादी मुस्लिम देशों और मस्जिदों को निशाना क्यों बना रहे होते? पहली नजर में यह तर्क सही जान पड़ता है, लेकिन असलियत में चीजें इतनी सरल नहीं हैं। सच यह है कि आतंकवाद न सिर्फ अपनी धार्मिक मान्यताओं को दूसरे पर थोपने का औजार हो सकता है, बल्कि वह धर्म पर आधारित योजनाओं को सफल करने का तरीका भी बन सकता है। जिहादी आतंकवाद में ये दोनों ही घटक मौजूद हैं। जब ढाका के एक कैफे में संभ्रांत परिवारों से आने वाले उच्च श्रेणी के स्कूलों में पढ़े मुस्लिम युवा कुरान की आयतें सुना सकने में नाकाम रहने पर बंधकों की निर्ममता से हत्या कर डालते हैं तो यह साफ हो जाता है कि वे इस्लामी धार्मिक मान्यताओं को गैर मुस्लिमों पर थोपने की वीभत्स परंतु बचकानी कोशिश कर रहे थे। ईद से ऐन पहले बगदाद के बाजारों में धमाके कर 300 से अधिक लोगों को मार डालने वाले शियाओं को निशाना बना रहे थे, क्योंकि उनके अनुसार शिया मुसलमान नहीं हैं। इसी वजह से हाल में अफगानिस्तान में हजारा शिया आईएस का शिकार बने। आईएस पहले ही यह घोषित कर चुका है कि वह धरती से शियाओं का सफाया करके रहेगा। इस संगठन की सलाफी विचारधारा के अनुसार शिया इस्लाम को अपवित्र कर रहे हैं। सऊदी अरब में रमजान के आखिरी दिनों में हुए धमाकों में कातिफ शहर में भी शियाओं को निशाना बनाने की कोशिश की गई। इस पर सवाल उठा कि भला जेहादी इस्लाम के सबसे पवित्र दो शहरों में से एक मदीना की सबसे पवित्र मस्जिद के बाहर बम धमाका क्यों करेंगे? यह सवाल उठाने वाले बुद्धिजीवी जिहादी विचारधारा के इतिहास से या तो पूरी तरह अनभिज्ञ हैं या फिर जानबूझकर अनजान बने रहना चाहते हैं। ऐसे सवाल करने वाले कट्टरपंथी मौलानाओं को आम मुसलमानों को यह कह कर गुमराह करने का मौका देते हैं कि मुसलमानों और मस्जिदों पर हो रहे आतंकी हमलों में इजरायल और अमेरिका की खुफिया एजेसियों का हाथ है। इस दुष्प्रचार के कारण आम मुसलमान जिहादी आतंकवाद की समस्या की सही विवेचना नहीं कर पाता और उसके दुष्परिणामों से भी अनजान रहता है। जिहादी संगठनों के अनुसार तथाकथित असली इस्लाम की स्थापना के लिए मक्का और मदीना में भी खून खराबा वर्जित नहीं रहा है। 1927-930 के दौरान करामाती मुस्लिम संप्रदाय ने मक्का और मदीना के लिए हज पर जाने वाले मुसलमानों पर खूब हमले किए थे। 930 में इस गुट ने अब्बासी खलीफा के खिलाफ विद्रोह करते हुए मक्का में खूनखराबा किया था और पवित्र माने जाने वाले जमजम तालाब को भी अपवित्र कर डाला था। उनके अनुसार तत्कालीन खलीफा मुस्लिम जगत को इस्लाम के अनुसार नहीं चला रहे थे। जाहिर है उस समय न तो इजरायली खुफिया एजेंसी थी और न ही सीआईए। 1979 में अल इखवान के आतंकियों ने सऊदी सरकार पर इस्लामी कानूनों से भटकने का आरोप लगाते हुए मक्का में काबे पर कब्जा कर कई मुस्लिम तीर्थयात्रियों को बंधक बना लिया था। जब सऊदी सरकार ने वहाबी उलमा से इन आतंकियों के खिलाफ फतवा जारी करने को कहा तो उन्होंने काबे के अंदर बल प्रयोग की इजाजत तो दी, लेकिन आतंकियों को इस्लाम से बाहर करने से इंकार कर दिया था, क्योंकि इखवान के कई नेता इन उलमा के शिष्य रहे थे। उदारवादी बुद्धिजीवियों को इस इतिहास से परिचित होना चाहिए। बाद में अल इखवान को सऊदी सरकार ने कुचल तो डाला लेकिन माना जाता है कि उसकी विचारधारा से प्रभावित लोगों ने ही पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा की स्थापना की। जिहादी आतंकवाद कुछ धार्मिक विश्वासों, मिथकों और मुद्दों से सीधा जुड़ा है। आईएस के आतंकी कुछ इस्लामी मान्यताओं के अनुसार रोम की फौजों से होने वाले आखिरी युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। उनके अनुसार इस युद्ध के बाद दुनिया का अंत हो जाएगा। रोम की फौज का मतलब उन्होंने पश्चिमी जगत खासकर यूरोपीय फौजों से निकाला है और इसीलिए वे यूरोपीय देशों पर आतंकी हमले करके उन्हें उकसा रहे हैं। ईद के मौके पर बंगलादेश में नमाजियों पर हमला करने वाले आतंकी तकफीरी विचारधारा के मानने वाले थे, जिसके अनुसार कथित तौर पर इस्लाम से भटके मुसलमानों को निशाना बनाया जा सकता है। ये जिहादी विचारक मध्यकालीन धार्मिक कानूनों को जैसे का तैसा आज की दुनिया पर लादना चाहते हैं। इसी कारण अरब जगत में क्रांतियों के बाद जिन देशों में इन गुटों का प्रभाव बढ़ा वे आज खून खराबे की चपेट में हैं। मिस्र में तहरीर चौक से शुरू हुई क्रांति के फलस्वरूप जनता के व्यापक समर्थन से मुस्लिम ब्रदरहुड सत्ता में आया। सत्ता में आते ही उसके नेताओं द्वारा लागू किए गए मध्ययुगीन इस्लामी कायदे-कानूनों से मिस्र की जनता इतनी परेशान हुई कि उसने मुस्लिम ब्रदरहुड को सत्ता से अपदस्थ कर दोबारा सेना का समर्थन किया। सत्ता में आने पर जनरल फतेह अल सीसी ने इस्लामिक अध्ययन के सबसे प्रतिष्ठित केंद्र अल अजहर जाकर उलेमाओं की मौजूदगी में दो टूक कहा था कि यह असंभव है कि 160 करोड़ मुसलमान 600 करोड़ गैर मुस्लिमों को खत्म करने की इच्छा रखें। जनरल सीसी ने इस प्रकार की जिहादी विचारधारा के प्रसार पर सख्त पाबंदियां लगाई हैं। हाल में उलमाओं को आदेश दिया गया है कि वे सरकार से अधिकृत उपदेश ही मस्जिदों में देंगे। कुछ इसी तरह का काम काम जॉर्डन की सरकार ने किया है। नतीजतन आज जलते अरब जगत के बीच ये दो मुस्लिम देश शांत और स्थिर बने हुए हैं। आतंकियों को खत्म करने के लिए आतंकी विचारधारा के प्रसार पर लगाम लगाना जरूरी है। आतंकवाद से जूझ रहे देश मिस्र और जॉर्डन से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

पलट गई राजनीतिक बाजी

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की बिसात बिछ चुकी है। दुर्भाग्य से चुनावी बिसात का आधार नेताओं की गालियां बनी हैं। यह अपने किस्म का पहला चुनाव होगा जो एक ऐसे मुद्दे से शुरू हो रहा है जिस पर किसी भी सभ्य समाज को शर्मिंदा होना चाहिए। बात शुरू हुई भाजपा नेता दयाशंकर सिंह के बयान से। उन्होंने मायावती के बारे में वह कहा जिस पर उन्हें शर्मिंदा होना चाहिए। उन्होंने माफी मांगी, संसद ने उनकी भर्त्सना की, पार्टी ने पद और सदस्यता से हटाया और सरकार ने मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद भी मामले का पटाक्षेप नहीं हुआ। मायावती की पार्टी के नेताओं ने दयाशंकर की मां, पत्नी और बेटी के लिए वह कहा जो बर्दाश्त से बाहर था। मायावती ने इसका समर्थन किया, लेकिन दयाशंकर सिंह की पत्नी स्वाति सिंह नहीं बर्दाश्त कर सकीं। स्वाति सिंह ने एक बार फिर साबित किया कि जब मां अपने बच्चों खासतौर से बेटी के लिए खड़ी होती है तो उसके सामने बड़े नेता भी नहीं टिक पाते। यही हुआ। स्वाति सिंह के एक बयान ने गुस्से से आगबबूला और अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं की गालियों से खुश मायावती आक्रमण से बचाव की मुद्रा में आ गईं। उन्हें समझ आ गया कि एक मां उनकी पार्टी और जनाधार पर भारी पड़ गई। वह उत्तर प्रदेश पुलिस को संविधान की याद दिलाने लगीं और अपने कार्यकर्ताओं को सर्वजन हिताय-सर्वजन हिताय का पाठ पढ़ाने की तैयारी करने लगीं। अगस्त में आगरा और आजमगढ़ में इसी नाम से रैलियां होंगी। मायावती के पीछे हटने का पहला संकेत इससे मिला कि 25 जुलाई को बसपा के प्रदर्शन के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। मायावती ने अपने राजनीतिक जीवन में ऐसा पहली बार किया है। उन्होंने यह इसलिए नहीं किया कि उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया। दरअसल उन्हें समझ आ गया कि विरोधी दलों को बार-बार मात देने में माहिर होने के बावजूद वह एक आम महिला से मात खा गईं। मायावती दयाशंकर की बेजा टिप्पणी को दलित की बेटी के सम्मान का मुद्दा बनाना चाहती थीं। उनकी नजर अपने दलित वोट बैंक पर थी जो बिखर रहा था और जिसकी नजर में वह उनकी देवी हैं। गैर जाटव दलित भाजपा की ओर जा रहा था। एक झटके में उसे भाजपा से छीनकर अपने पाले में लाने का उन्हें यह एक अवसर मिल गया। भाजपा में मायूसी थी कि प्रधानमंत्री मोदी का पिछले दो साल से दलितों को पार्टी से जोड़ने के लिए सारा किया धरा पानी में मिल गया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बाजी हाथ से फिसलती नजर आ रही थी। दयाशंकर सिंह के बयान ने जो मौका बसपा को दिया उससे बड़ा मौका बसपा नेताओं ने दयाशंकर की मां, पत्नी और बेटी को गाली देकर भाजपा को दे दिया। 24 घंटे में राजनीतिक बाजी पलट गई। मायावती जान गईं कि दलित वोट बैंक समेटने की आतुरता में सर्वजन का उनका नारा खोखला हो गया। उत्तर प्रदेश में बसपा को सत्ता तक पहुंचने के लिए 'तिलक तराजू और तलवार' का नारा छोड़कर 'हाथी नहीं गणेश है, ब्रह्मा विष्णु महेश है' का नारा बुलंद करना पड़ा था। इसी नारे ने बसपा को 2007 के विधानसभा चुनाव में अकेले बहुमत दिलाया। इसे मायावती की सोशल इंजीनियरिंग का मास्टर स्ट्रोक माना गया। 2007 बसपा के राजनीतिक सफर और चुनावी कामयाबी का चरमोत्कर्ष था। मायावती को लगा कि दलित हों या सवर्ण उनका समर्थन करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि

बिज़नेस-रेडी बनने के लिए तकनीकी समाधान तथा व्यापक परिवेष प्रदान करेगा

जीएसटी, टेक्नॉलॉजी आधारित टैक्सेषन सिस्टम है, जिसके लिए डिजिटल प्लेटफॅर्म के माध्यम से अनुपालन की जरूरत होती है। इसलिए छोटे बिज़नेसों के लिए यह आवष्यक है कि वो टैक्सेषन के नए सिस्टम में सुगम परिवर्तन करें। इसके द्वारा छोटे बिज़नेसों को नई टेक्नॉलॉजी को तेज़ी से अपनाने का लचीलापन मिलेगा, क्योंकि ये समाधान बहुत आसान और तीव्र हैं। डेल के जीएसटी का अनुपालन करने वाले पीसी न केवल सिस्टम को समझना आसान बनाएंगे, बल्कि निर्धारित समय सीमा में परिवर्तन की प्रक्रिया में उनकी मदद करेंगे, तथा इस पूरे प्रकरण में बिज़नेस भी सुगम तरीके से चलता रहेगा। इससे न केवल नया टैक्सेषन सिस्टम सुगमता से लागू हो जाएगा, बल्कि इससे उनके पूर्ण डिजिटल परिवर्तन में भी योगदान मिलेगा।

डेल प्रमुख बाज़ारों में छोटे बिज़नेस एसोसिएषनों को डिजिटल व जमीनी प्रषिक्षणों, जिनमें प्रदर्षन की सामग्री पर वो काम करके देख सकेंगे, के द्वारा बिज़नेस को जीएसटी का अनुपालन करने योग्य बनाने में टेक्नॉलॉजी की भूमिका पर षिक्षित करेगा। पीसी साक्षरता बढ़ाने के अपने प्रयास के तहत, डेल अपने डेल एक्सक्लुसिव स्टोरों (डीईएस) पर छोटे बिज़नेसों के साथ संलग्न होकर विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर षैक्षिक कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला लॉन्च करेगा, जो व्यापक पहुंच सुनिष्चित करने के लिए 8 भाशाओं में क्रियान्वित की जाएगी।

16 मई को जूलासन- डांगरवा के मध्य इंजीनियरिंग ब्लॉक

16 मई को जूलासन- डांगरवा के मध्य इंजीनियरिंग ब्लॉक दो ट्रेनें आंशिक निरस्त, तीन ट्रेनें रिशेड्यूल होगीपश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर अहमदाबाद- महेसाणा रेलखण्ड पर जूलासन व डांगरवा के मध्य एलसी गेट 223 पर दिनांक 16 मई, 2017 (मंगलवार) को इंजीनियरिंग विभाग द्वारा रोड अण्डरब्रिज निर्माण हेतु फुल ब्लॉक लिया जायेगा। इस दौरान निम्नलिखित ट्रेनें प्रभावित रहेगी।79436 पाटन- महेसाणा- अहमदाबाद डेमू पेसेन्जर 16 मई को महेसाणा व अहमदाबाद के बीच आंशिक रुप से निरस्त रहेगी।इसी तरह 79433 अहमदाबा0- महेसाणा- पाटन डेमू पेसेंजर दिनांक 16 मई, 17 को अहमदाबाद- महेसाणा के बीच आंशिक रुप से निरस्त रहेगी। 79431 अहमदाबाद- महेसाणा डेमू पेसेंजर 16 मई को अहमदाबाद से 18.50 बजे , 79433 अहमदाबाद- महेसाणा- पाटन डेमू के पाथ पर चलेगी। इसी क्रम में 79437 महेसाणा- आबू रोड डेमू पेसेंजर 16 मई को महेसाणा से 21.00 बजे चलेगी और 12548 अहमदाबाद- आगरा फोर्ट सुपरफास्ट एक्सप्रेस 16 मई को अहमदाबाद से एक घंटा विलम्ब से 17.55 बजे चलेगी।

डोपिंग का भी एक अर्थशास्त्र है

अभी डोपिंग को लेकर दो मामले सुर्खियों में हैं। एक पहलवान नरसिंह यादव का, तो दूसरा शॉटपुट खिलाड़ी इंदरजीत सिंह का। इंदरजीत सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके यूरीन सैंपल के साथ छेड़छाड़ की गई है। उनका फिलहाल 'ए' सैंपल पॉजिटिव आया है, जबकि 'बी' सैंपल की जांच चल रही है। हालांकि ऐसा संभव नहीं है कि यूरीन सैंपल के साथ छेड़छाड़ की जाए। अव्वल तो खिलाड़ी खुद उसे सील करता है और फिर नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी यानी नाडा टूटे हुए, खुले या फिर किसी भी प्रकार से छेड़छाड़ किए गए सैंपल को स्वीकार ही नहीं करता। लिहाजा उन पर कार्रवाई हो सकती है। पहलवान नरसिंह यादव का मामला इससे पूरी तरह अलग है। उनका आरोप है कि उनके खाने में किसी ने मिलावट की है। इस तरह की साजिश से इन्कार नहीं किया जा सकता। अगर कोई खाने में कुछ मिलाकर दे रहा है, तो उसे एकदम से पता नहीं लगाया जा सकता। इस तरह की हरकत कोई भी, कहीं भी कर सकता है- स्थानीय या राष्ट्रीय स्तर के खेलों में भी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी। हम यह कतई नहीं पढ़ सकते कि दूसरे के मन में क्या साजिश चल रह रही है। इस तरह के षड्यंत्र का शिकार कोई भी हो सकता है। आमतौर पर यह प्रतिद्वंद्विता में की जाती है। हालांकि नरसिंह का दावा इसलिए मजबूत जान पड़ता है, क्योंकि एक पहलवान को पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किया है और देश में कुश्ती की सर्वोच्च संस्था भारतीय कुश्ती फैडरेशन ने भी नरसिंह का समर्थन किया है।

टोटल ड्रीमर में मुख्य भूमिका निभा रही हैं मरीना रुय बर्बोसा

मरीना रुय बर्बोसा ब्राज़ील की बेहद प्रतिष्ठित टेलीविजन अभिनेत्री हैं। उन्होंने सात साल की उम्र से ही बाल कलाकार के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। पहली बार उन्हें टेलीविजन शो, कोमेसार दे नोवो में मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला, जिसके बाद उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी पहचान बनाई और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने देश की फैशन आइकॉन कही जाने वाली मरीना अपने ट्रेडमार्क, लाल बालों के लिए फैशन एवं ब्यूटी सेगमेंट में हर विज्ञापक की पहली पसंद हैं। फोर्ब्स पत्रिका के ब्राज़ीलियाई संस्करण ने उन्हें वर्ष 2015 में ब्राज़ील की शीर्ष 25 हस्तियों में स्थान दिया था। वह सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं और उनके फॉलोअर की संख्या 13 मिलियन से ज्यादा है।

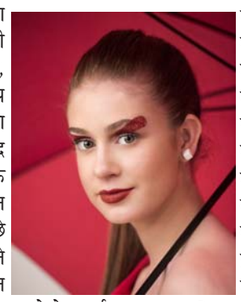

इस बेहद खूबसूरत अदाकारा को हाल ही में टोटल ड्रीमर में एलिज़ा की भूमिका के माध्यम से भारतीय दर्शकों के सामने पेश किया जा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ज़िन्दगी के दर्शकों से मिनट मेड पल्पी ऑरेंज द्वारा प्रायोजित, हर सोमवार से शनिवार हिंदी में प्रसारित अपने पसंदीदा शो, टोटल ड्रीमर का वास्तविक एपिसोड छूट न जाए, इस धारावाहिक को अब उसी दिन दो बार, क्रमश: दोपहर 2 बजे और रात 10 बजे, केवल जिन्दगी पर प्रसारित किया जाएगा। मरीना टोटल ड्रीमर में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो एक खूबसूरत युवा लड़की, एलिज़ा की कहानी है जो बेहद साधारण जीवन जीती हैं। अपने परिवार को बेहतर जीवन प्रदान करना ही उसका अंतिम लक्ष्य है। वह अपनी माँ, भाई-बहन और सौतेले पिता के साथ रहती है। सौतेले पिता द्वारा तंग किए जाने पर वह अपनी माँ, गिल्डा की सहायता से घर से भाग जाती है, और बड़े शहर में अपनी किस्मत आजमाती है। उसके जीवन में उस वक्त एक नाटकीय मोड़ आता है। (19-8)

अहमदाबाद से चलनेवाली साबरमती एक्सप्रेस में एसी चेयरकार कोच

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की बड़ी संख्या व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 19165/ 19166 व 19167/19168 साबरमती एक्सप्रेस ट्रेनों में अस्थाई रुप से एक एसी चेयरकार कोच लगाया जा रहा है। तद्नुसार ट्रेन संख्या 19165/19166 अहमदाबाद- दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस में 14 मई से 09 जून, 17 तक अहमदाबाद से तथा 17 मई से 12 जन, 17 तक दरभंगा से (निर्धारित दिवसो पर) (कुल 12 ट्रिप) एक एसी चेयरकार कोच लगाया जायेगा। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 19157/19168 अहमदाबाद- वाराणसी साबरमती एक्सप्रेस में दिनांक 16 मई से 10 जून, 17 तक अहमदाबाद से तथा 19 मई से 13 जून, 17 तक वाराणसी से (कुल 30 ट्रिप) एक एसी चेयरकार कोच लगाया जायेगा। इस सुविधा से इस ट्रेन में इस अवधि के दौरान कुल 24 कोच रहेंगे।

सोमनाथ- पुरी स्पेशल का पलासा एवं श्रीकाकुलम रोड स्टेशनों पर ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09207/09208 सोमनाथ- पुरी स्पेशल (साप्ताहिक) जो स्पेशल किराये के साथ चलाई जा रही है को विजयनगर- पुरी रेलखण्ड के श्रीकाकुलम रोड व पलासा स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया गया है। 09207 सोमनाथ- पुरी एक्सप्रेस 02.00 बजे श्रीकाकुलम रोड व 02.45 बजे पलासा पहुंचकर पुरी के लिए प्रस्थान करेगी। वापसी में 09208 पुरी- सोमनाथ स्पेशल 00.45 बजे पलासा व 01.20 बजे श्रीकाकुलम रोड पहुंचकर सोमनाथ के लिए प्रस्थान करेगी।

अनन्य विभूतियों की विदाई

गुरुवार का दिन देश के दो सांस्कृतिक व्यक्तित्वों के अवसान की खबर लेकर आया। पहले बनारस घराने के सुपरिचित तबला वादक पं. लच्छू महाराज के निधन की खबर आई और उसके बाद अपराह्न तीन बजकर सोलह मिनट पर विख्यात लेखिका व सामाजिक कार्यकर्ता महाश्वेता देवी महाप्रस्थान कर गईं। पं. लच्छू महाराज जब तबला वादन करते थे तो श्रोताओं के साथ रुहानी रिश्ता कायम कर लेते थे। जिस तरह पं. लच्छू महाराज ने अपने पिता पं. वासुदेव नारायण सिंह से तबले की बारीकियां सीखी थीं, उसी तरह उन्होंने उसे अपने शिष्यों को भी सिखाया। उनकी शिष्य परंपरा में सैकड़ों तबला वादकों के नाम दर्ज हैं जो विभिन्न देशों में अनूठे वादन कौशल का प्रदर्शन कर गुरु का नाम रोशन कर रहे हैं। 72 वर्षीय पं. लच्छू महाराज ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी ताल दिया था। जिस तरह पं. लच्छू महाराज ने अपनी कला के हुनर से दुनियाभर के संगीत रसिकों को मुग्ध किया उसी तरह महाश्वेता देवी ने अपने साहित्य से भारतीय भाषाओं ही नहीं, दुनिया की सभी प्रमुख भाषाओं के पाठकों को हमेशा के लिए अपना बना लिया। महाश्वेता देवी की आम लेखकों जैसी छवि नहीं थी, बल्कि उसके उलट थी। इसकी वजह यह थी कि आदिवासियों और शोषितों की व्यथा-कथा लिखने वाली महाश्वेता लेखक के सक्रिय सामाजिक हस्तक्षेप में भरोसा रखती थीं। हाल के वर्षों में सिंगुर और नंदीग्राम के किसान आंदोलन का उन्होंने नेतृत्व किया था।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

अर्थींग स्टेशन की स्थापना करना

ई-निविदा सूचना संख्या. व.मं.बि.इन्जी/एडीआई/06 (17-18) दिनांकः 08.05.2017. **निविदा संख्याः** ईएल-50-1-एडीआई-टी-11-2017-18. **कार्य का नामः** अहमदाबाद मंडल में स्विचींग पोस्ट पर, उच्च उत्पादकता के फास्ट्नर्स के जरीये ट्रेक्शन बोंड के प्रावधान सहित पारंपरिक अर्थींग प्रणाली (SSP, SP) के साथ अर्थींग स्टेशन की स्थापना करना, **अनुमानित लागतः** ₹ 7,03,949.6/-, **ईएमडीः** ₹ 14,080/-. **निविदा प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय :** 20.06.2017 को 15:00 बजे तक, **निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख एवं समयः** 20.06.2017 को 15:30 बजे, **ऑफिस का पता व वेबसाईट का पताः** वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजीनियर, डी.आर.एम. ऑफिस (प.रे.), चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद-382345. www.ireps.gov.in 14

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

सूचना

कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com